अर्थक्रांति
प्रतिष्ठान
www.arthakranti.org

प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय समर्पण यात्रा के लिए अर्थक्रांति का आह्वान

मुंबई 12 जून 2012 : अर्थक्रांति संगठन ने आज 12 जून 2012 को भ्रष्टाचार से जुड़े कई मुद्दों और देश की ध्वस्त होती जा रही अर्थव्यवस्था के खिलाफ़ आवाज़ बुलंद करने के लिए राष्ट्रीय अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। हमारे देश की अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव के प्रति सुझाव व्यक्त करने के लिए अर्थक्रांति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसके मद्देनज़र 15 जुलाई से औरंगाबाद से एक बड़ी यात्रा शुरू होने जा रही है।

अर्थक्रांति अभियान अपने आप में अहिंसक है और इसका निशाना न ही कोई व्यक्ति और न ही कोई संगठन होने जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था में सुधार है। इस मौके पर अर्थक्रांति प्रतिष्ठान के प्रमुख श्री अनिल बोकिल ने कहा, ''अर्थक्रांति का महंगाई, भ्रष्टाचार, रुपये में लगातार गिरावट और अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल रहे अन्य मुद्दों पर केंद्रित है। मसलन, टैक्स की मौजूदा व्यवस्था को खत्म करना (सिवाय कस्टम या आयात शुल्क के)। बैंक के जरिये होने वाले प्रत्येक लेन–देन पर ट्रांजेक्शन टैक्स यानी स्रोत पर एकमुश्त में टैक्स (माना 2 प्रतिशत) लगाया जाना चाहिए। 100 रुपये की नकद निकासी पर कैस ट्रांजेक्शन टैक्स नहीं लगाया जाना चाहिए। सरकार को चाहिए कि वो निश्चित सीमा तक कैश के लेन–देन (मसलन 2000 रुपये) के लिए कानूनी प्रावधान किए जाने चाहिए। अर्थक्रांति ने ये 5 सुझाव सरकार को सुझाए हैं।''

संगठन ने घोषणा की कि राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल समेत जिन प्रमुख व्यक्तियों को ये प्रस्ताव भेजे गए हैं, भी मानते हैं कि ये वक्त इस मुद्दे पर कार्रवाई करने का है।

समर्पण यात्रा औरंगाबाद से 15 जुलाई को शुरू होगी। चारों दिशाओं में शुरू होने वाली ये यात्रा रालेगण सिद्धी में अन्ना हज़ारे, बैंगलोर में श्री श्री रविशंकर, हरिद्वार में बाबा रामदेव और दिल्ली में एपीजे अब्दुल कलाम से मिलकर खत्म होगी। हम इन चारों विभूतियों से आग्रह करते हैं कि वे हमें प्रतिनिधि ग्रुप और पीपुल्स चार्टर बनाने के लिए राह दिखाने का काम करें। अर्थक्रांति के ट्रस्टी (न्यासी) श्री अनिल शिंदे ने कहा कि अभियान के घोषणापत्र में जनलोकपाल बिल और देश के आर्थिक सुधार कार्यक्रम को भी शामिल किया जाएगा।

अर्थक्रांति के प्रतिनिधि श्री दीपक करांजिकर ने घोषणा कि कि देशभर से हज़ारों की संख्या में स्वंयसेवकों ने यात्रा के लिए अपना पंजीकरण कराया है और देश के पुनर्रुद्धार में अथक प्रयास करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि अर्थक्रांति की इच्छा इन चारों विभूतियों को 16 अगस्त को नई दिल्ली में एक साझा मंच पर लाने की है।

www.arthakranti.org

अर्थक्रांति

अर्थक्रांति प्रस्ताव एक ऐसा तकनीकी सुधार प्रारूप है जो भारत के मौजूदा सामाजिक–आर्थिक परिदृष्य को पूरी तरह बदल सकता है। हमारा पक्का यकीन है कि इन प्रस्तावों के लागू होने से हमारे देश के सभी नागरिक सैद्धांतिक, समृद्ध और शांतिपूर्ण जीवन जी सकेंगे। देश को आंतरिक रूप से मज़बूत करने के साथ ही ये प्रस्ताव भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उसके सम्मान और ताकत का अहसास करा सकेंगे।

ये प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब हरेक नागरिक इनके लिए अपना अमूल्य समर्थन देने के साथ–साथ चुने हुए प्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार पर इन प्रस्तावों को लागू करने के लिए दबाव बनाए।

विस्तृत जानकारी के लिये कृपया संपर्क करें :
ऑरम मीडिया प्रा. लिमिटेड
पूजा/ सुहैब/ डेजी
9820473457/9699893932/9820724179